अष्टम माला, खंड 37, अंक 23

शुक्रवार, 25 मार्च 1988
5 चैत्र, 1910 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

का

हिन्दी संस्करण

दसवां सत्र

(आठवीं लोक सभा)

PARLIAMENT LIBRARY
No. B 59
Date 12/7/88

(खंड 37 में अंक 21 से 30 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपये

[अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी । उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जावेगा ।]

विषय सूचि

अष्टम माला, खण्ड 37 दसवां सत्र, 1988/1909-10 (शक)

अंक 23, शुक्रवार, 25 मार्च, 1988/5 चैत्र, 1910 (शक)

विषय	पृष्ठ संख्या
निधन सम्बन्धी उल्लेख	1-2

लोक सभा

शुक्रवार, 25 मार्च, 1988/5 चैत्र, 1910 (शक)

लोक सभा 11 बजे म० पू० पर समवेत हुई ।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

निधन संम्बन्धी उल्लेख

अध्यक्ष महोदय : मुझे सभा को यह सूचित करना है कि इस सभा के वर्तमान सदस्य श्री शरद कुमार देव का, जो उड़ीसा के केन्द्रपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गये थे, दुखद निधन हो गया है । उनको कुछ समय के लिये अस्पताल में भर्ती किया गया था और दो बार उनका आप्रेशन करना पड़ा । आज प्रात : अचानक उनकी मृत्यु हो गई । मृत्यु के समय उनकी आयु केवल 46 वर्ष थी ।

इससे पहले, वह 1971 से 1985 तक उड़ीसा विधानसभा के सदस्य रहे । वह उड़ीसा राज्य में मंत्रि-परिषद् के भी सदस्य रहे और उन्होंने वहां प्राक्कलन समिति और लोक लेखा समिति के सभापति के रूप में भी कार्य किया । वह 1983-85 की अवधि में राज्य विधान सभा में विपक्ष के नेता भी रहे ।

वह एक कृषक थे और उन्होंने ग्रामीण व्यक्तियों के उत्थान के लिये काम किया ।

वह एक योग्य संसदविद् थे । उन्होंने, विशेष रूप से कृषि की समस्याओं से संबंधित सभा की कार्यवाही में गहन रुचि दिखाई ।

मुझे सभा को यह भी सूचित करना है कि हमारे दो भूतपूर्व साथियों-यथा सर्वश्री हरीश चन्द्र शर्मा और पीताम्बर सिंह का भी दुखद निधन हो गया है ।

श्री हरीश चन्द्र शर्मा वर्ष 1957 से 1962 तक की अवधि में दूसरी लोक सभा के सदस्य थे और वह राजस्थान के जयपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गये थे ।

वह एक जाने-माने राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्त्ता थे । उन्होंने अनेक श्रमिक संघों का गठन किया और उनमें विभिन्न रुपों में काम किया । उन्होंने समाज के दलित वर्गों और कमजोर वर्गों के हितों के लिये बहुत काम किया । उन्होंने अपने राज्य में श्रम और सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देने में गहन रुचि दिखाई ।

श्री शर्मा का, 21 जनवरी, 1988 को 61 वर्ष की आयु में जयपुर में निधन हुआ ।

श्री पीताम्बर सिंह 1983-84 के दौरान बिहार के बेतिया निर्वाचन क्षेत्र से सातवीं लोकसभा के सदस्य चुने गये थे । इससे पूर्व, वह वर्ष 1969 को छोड़कर वर्ष 1962 से 1980 तक की अवधि के दौरान बिहार विधान सभा के सदस्य रहे ।

वह एक कृषक थे और उन्होंने किसान आंदोलन में गहन रुचि दिखाई और वह बिहार राज्य किसान सभा के प्रेसीडेंट थे । वह एक शिक्षाविद् थे और उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के

प्रसार में विशेष रूचि दिखाई और चम्पारन जिले में अनेक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की स्थापना की ।

श्री पीताम्बर सिंह का 3 मार्च, 1988 को 65 वर्ष की आयु में पूर्वी चंपारन (बिहार) में निधन हुआ ।

हम अपने इन साथियों के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हैं और मुझे विश्वास है कि यह सभा शोक-संतप्त परिवारों को हमारी संवेदना भेजने में मेरे साथ शामिल होगी ।

अब सभा के सदस्य दिवंगत आत्माओं के सम्मान में कुछ देर के लिये मौन खड़े हों ।

इसके पश्चात सदस्य कुछ देर के लिये मौन खड़े रहे ।

अध्यक्ष महोदय : अब सभा सोमवार को ग्यारह बजे म० पू० पर पुन : समवेत होने के लिये स्थगित होती है ।

11.04 **म० पू०**

तत्पश्चात लोक सभा सोमवार, 28 मार्च 1988/8 चैत्र 1910 (शक) के ग्यारह बजे म० पू० तक के लिये स्थगित हुई ।

———

दि इन्डियन प्रेस, दिल्ली